तब मयना हिमवंतु अनंदे । पुनि पुनि पारबती पद बंदे ।।
पारबती भल अवसरू जानी । गईं संभु पहिं मातु भवानी ।।
|| Ram Katha 967 - *मानस वन्दे मातरम || Mumbai || मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 134 | इंदौर, शुक्रवार 28 नवंबर, 2025 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

भोपाल में 300 पार AQI पर बोले MPPCB के अधिकारी

परली केवल 7 से 10% जिम्मेदार, धूल मुख्य कारण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार शहर में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) कई बार 300 के पार पहुंच चुका है, जो बेहद खराब श्रेणी माना जाता है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी बृजेश शर्मा ने बताया कि भोपाल में तीन स्टेशनों के जरिए ऑनलाइन मॉनिटरिंग हो रही है और बढ़ते प्रदूषण को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राजधानी में वायु गुणवत्ता खराब होने का सबसे बड़ा कारण शहर में उड़ने वाली धूल है। पराली जलाने का असर मात्र 7 से 10% ही देखा गया है। उन्होंने कहा कि सड़क की धूल और निर्माण कार्यों से उठने वाला कण (PM10) ही प्रमुख रूप से AQI बढ़ा रहा है।

शर्मा के अनुसार लगभग 11 नवंबर के आसपास प्रदूषण स्तर में तेज वृद्धि दर्ज की गई।ठंड बढ़ने के साथ-साथ मौसम के पैरामीटर भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। सतह के पास हवा ठंडी होने से प्रदूषक ऊपर नहीं उठते।विंड वेलोसिटी मात्र 1.3 किमी/घंटा के आसपास, यानी हवा का बहाव बेहद कम है।कम ऊंचाई पर ही प्रदूषक फंस जाते हैं। इन सभी कारणों से प्रदूषण फैलकर ऊपर नहीं जा पाता और शहर में AQI लगातार खराब बना रहता है।

शर्मा ने बताया कि प्रदूषण रोकथाम के लिए नगर निगम लगातार जल छिड़काव कर रहा है।इसके लिए भोपाल नगर निगम द्वारा विशेष मशीनें और फॉगिंग सिस्टम लगाए गए हैं, ताकि सड़क की धूल को बांधा जा सके। उन्होंने कहा कि यदि शहर में सड़क धूल को नियंत्रित किया जाता है, तो प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

प्रदूषण बोर्ड ने चेताया कि लगातार खराब वायु गुणवत्ता नागरिकों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। इसी वजह से शहरभर में प्रदूषण स्तर की जानकारी सार्वजनिक की जा रही है, ताकि लोग एहतियात बरत सकें। इस समय लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

गीता जयंती पर MP सरकार का बड़ा फैसला

प्रतियोगिता में कैदी भी होंगे शामिल, जीतने वालों को नगद राशि, लैपटॉप और ई-वाहनों का पुरस्कार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में एक दिसंबर को 'गीता जयंती' धूमधाम से मनाई जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया कि इस साल आम नागरिकों के साथ जेल में बंद कैदियों को भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी गई है। इसी के साथ प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों के साथ राज्य की प्रमुख जेलों में बंदी श्रीमद्भगवद्गीता का सस्वर पाठ भी करेंगे।

बता दें कि इस साल हरियाणा के कुरूक्षेत्र में 24 नवंबर से से एक दिसंबर के बीच आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में मध्यप्रदेश ने भी सहभागिता की है। वहां इस दौरान जय श्रीकृष्णा नृत्य नाट्य, श्री कृष्ण लीला, कृष्णायन, जनजातीय एवं लोकनृत्य, चित्र प्रदर्शनी जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के साथ एक दिसंबर को प्रदेश में गीता जयंती का वृहद आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से गीता जयंती में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि "एक दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश में सभी जिला, विकासखंड और संभागीय मुख्यालयों पर श्रीमद्भगवद्गीता के पंद्रहवें अध्याय का पाठ किया जाएगा ताकि युग युगांतर तक श्रीकृष्ण के मान कल्याण का संदेश हम आत्मसात कर सकें। प्रदेश के स्कूलों, कॉलेजों के साथ राज्य की प्रमुख जेलों में बंदी श्रीमद्भगवद्गीता का सस्वर पाठ करेंगे। मध्यप्रदेश सरकार के 'वीर भारत न्यास द्वारा' गीता पाठ के साथ गीता प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रह रहा है। इसमें प्रदेश के सभी छात्र और आम नागरिकों के साथ हमने बंदियों को भी भाग लेने की सुविधा दी है। प्रतियोगिता में सफल होने वाले छात्रों, नागरिकों, बंदियों सभी के लिए सत्तर प्रकार के पुरस्कार रखे गए हैं। पुरस्कारों में एक लाख इक्यावन हजार, इकत्तीस हजार जैसी नगद राशि के अलावा लैपटॉप, ई-बाइक्स, ई-रिक्शा, ई-ऑटो एवं दो वर्ष की छात्रवृत्ति भी शामिल है।" सीएम ने निर्देश दिए हैं कि सभी कलेक्टर्स, शिक्षाधिकारी, सभी प्रकार के अधिकारी और जेल के अधिकारी प्रतियोगिताओं में तथा गीता पाठ में भाग लेने के लिए लोगों को अधिकाधिक प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि गीता जयंती के अवसर पर इस आयोजन से जुड़कर सभी लोगों की रुचि निर्मित होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि "श्रीमद्भगवद्गीता का प्रादुर्भाव मध्यप्रदेश की धरती उज्जैन के आचार्य सांदीपनी के आश्रम से माना गया है। भगवान श्रीकृष्ण ने पांच हजार साल पहले यहीं शिक्षा ग्रहण की थी। चौंसठ कला, चौदह विद्या, चारों वेद, सारे पुराण उपनिषद सबका निचोड़ अगर कहीं है किसी एक ग्रंथ में तो वो पवित्र श्रीमद्भगवद्गीता में है। इस अवसर पर हम सबका प्रयास है कि श्रीमद्भगवद्गीता की जयंती को अविस्मरणीय बनाएं।" उन्होंने सभी से इससे जुड़ने और गीता जयंती के अवसर पर होने वाले सभी कार्यक्रमों में भाग लेने का आह्वान किया है।

निर्माण कार्यों और खुदी सड़कों से उड़ती धूल ने शहर की हवा को प्रदूषित कर दिया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (निप्र)

इंदौर। इंदौर समेत देशभर में इन दिनों एक्यूआई यानी (एयर क्वालिटी इंडेक्स) अधिक चल रहा है। पर्यावरण प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के वैज्ञानिकों का कहना है कि नवंबर से जनवरी तक तीन महीने यह समस्या आती है क्योंकि हवा का प्रवाह बहुत कम होता है। कोहरा बना रहता है और कई बार बादल भी रहते हैं। इन सभी वजहों से जहरीली गैसें, धूल के कण वायुमंडल में निचले स्तर तक बने रहते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि लोगों को इन दिनों मास्क लगाकर रखन चाहिए और यदि किसी प्रकार की एलर्जी है तो फिर अधिक ध्यान रखना चाहिए। इंदौर में विकास कार्यों के चलते खुदी सड़कें और जगह-जगह चल रहे निर्माण कार्यों ने शहर

की हवा को जहरीला बना दिया है। उड़ती धूल की वजह से पूरा शहर परेशान है। डस्ट कंट्रोल के इंतजाम न होने से धूल के कण हवा में मिल रहे हैं। ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ती ही जा रही है। इसके कारण प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है।

गाड़ियों की जांच नहीं हो रही है और शहर में निगम की गाड़ियों से लेकर बड़े वाहन तक काला धुआं छोड़ते देखे जा सकते हैं। कई बार बातें होने के बावजूद भी इन पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता। प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के वैज्ञानिक संजय जैन ने अमर उजाला से बातचीत में बताया कि इंदौर की स्थिति देश के अन्य शहरों के मुकाबले में बहुत बेहतर है। हमारे यहां पर सालभर एक्यूआई ठीक रहता है। इन दिनों जरूर प्रदूषण कुछ ज्यादा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य और मौसम के चलते प्रदूषण बढ़ रहा है लेकिन एक से दो महीने में यह स्थिति सुधर जाएगी। संजय जैन ने कहा कि अभी भी इंदौर का एक्यूआई खतरनाक स्तर पर नहीं है। पिछले 10 दिनों से शहर का (एक्यूआई) लगातार 100 के पार बना हुआ है, जो स्वास्थ्य के लिए चिंताजनक है। शहर में प्रदूषण की स्थिति यह है कि हवा में पीएम 2.5 का स्तर 200 और पीएम-10 का स्तर 300 के पार चला गया है। हवा में धूल, धुएं, कार्बन और अन्य जहरीली गैसों का मिश्रण होने से लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। हैरानी की बात यह है कि शहर या आसपास न तो पराली जलाई जा रही है और न ही कचरा, फिर भी प्रदूषण का स्तर दिवाली पर चलने वाले पटाखों जितना बना हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक एक्यूआई 100 से कम, पीएम 2.5 का स्तर 25 और पीएम-10 का स्तर 60 तक होना चाहिए, लेकिन वर्तमान आंकड़े इससे कहीं ज्यादा हैं। रीगल तिराहे पर एक्यूआई 261 तक दर्ज किया गया है, जो पीक आवर्स में और बढ़ जाता है।

राम मंदिर के लिए चंदा इकट्ठा करने का मामला

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह इंदौर हाईकोर्ट में पेश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। राम मंदिर का चंदा एकत्रित किए जाने को लेकर लगी एक जनहित याचिका के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह आज गुरुवार को इंदौर हाईकोर्ट में पेश हुए। सुनवाई से पहले दिग्विजय सिंह ने लाइव स्ट्रीमिंग का दुरुपयोग होने का आरोप लगाते हुए इसे बंद किए जाने की मांग की। जिसे कोर्ट ने भी मान लिया और लाइव स्ट्रीमिंग बंद करा दी।

10 नवंबर को हुई सुनवाई के दौरान एडवोकेट रवींद्र छाबड़ा ने कोर्ट से कहा कि इस केस को लेकर सिंह भी कुछ तथ्य कोर्ट के सामने रखना चाहते हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि अगर वे आना चाहते हैं तो 27 नवंबर 2025 को आ सकते हैं। हालांकि इससे पहले हुई सुनवाई पर भी सिंह कोर्ट पहुंचे थे, लेकिन अपनी बात नहीं रख पाए थे। इस मामले में गुरुवार को करीब आधे घंटे चली सुनवाई के दौरान सिंह ने अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि हम राम मंदिर निर्माण के पवित्र काम का

समर्थन करते हैं, लेकिन फंड कलेक्शन स्वैच्छिक होना चाहिए। दान देने के लिए अल्पसंख्यक वर्ग पर दबाव नहीं हो और ना ही धमकाना चाहिए। दान देने की आड़ में कुछ संगठनों ने अल्पसंख्यक वर्ग को टारगेट किया। धन संग्रह रैलियों के दौरान आयोजकों ने सुनियोजित तरीके से हिंसा फैलाने का काम किया, लेकिन इसके बाद भी अधिकारियों ने लापरवाही बरती और कोई कार्रवाई नहीं की। मामले में शासन को भी रिप्रेजेंटेशन दिया, लेकिन कुछ नहीं हुआ, इसलिए याचिका दायर की है। श्री राम मंदिर के पवित्र निर्माण कार्य के दौरान दान संग्रह किया गया। इस दौरान इंदौर, उज्जैन व मंदसौर में इसकी आड़ में साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाएं हुईं। इससे शांति सद्भावना खत्म हुआ और संपत्तियों का नुकसान हुआ। हाईकोर्ट ने सभी पक्ष सुनने के बाद मामला हियर्ड एंड रिजर्व में रख लिया है। सिंह की याचिका में मप्र शासन, पीएस गृह विभाग, डीजीपी के साथ ही इंदौर, उज्जैन, मंदसौर कलेक्टर व एसपी को भी पक्षकार बनाया है।

अस्पताल के संचालक की पत्नी के साथ डॉक्टर ने मारपीट की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। द्वारकापुरी में एक अस्पताल के संचालक की पत्नी के साथ डॉक्टर ने मारपीट की। उन्हें अपशब्द भी कहे। मामले में द्वारकापुरी पुलिस ने बुधवार को डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर की है। जांच चल रही है।

द्वारकापुरी पुलिस ने माधुरी वर्मा की शिकायत पर डॉक्टर के.सी. पटेल के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक माधुरी अविरल अस्पताल की ऊपरी मंजिल पर रहती है। अविरल अस्पताल उनके पति दीपक वर्मा का है। जिससे कोर्ट में तलाक को लेकर केस चल रहा है। माधुरी ने बताया कि अस्पताल में मरीजों को देखने के लिए डॉक्टर के. सी. पटेल आते-जाते हैं। माधुरी के मुताबिक 20 नवबंर को जब डॉक्टर पटेल यहां मरीजों देखने आए। तब वह अश्लील बातें कर रहे थे। जो माधुरी को सुनने में बुरी लगी। उनकी बातों को माधुरी ने इग्नोर कर दिया।

मंगलवार को पति के पास डॉक्टर के. सी. पटेल आए। डॉ. पटेल ने कहा कि उनसे कुछ बात नहीं करना। उनसे कहा कि इस तरह से अस्पताल का माहौल खराब नहीं कर सकते तो वह नाराज हो गए। इसके बाद उन्हें रोका तो उन्होंने अपशब्द कहे। जान से मारने की धमकी देने लगे। फिर कार में बैठकर जाने लगे। तब कार के कांच पर हाथ रखकर बात कर रही थी। तो उन्होंने कांच लगाकर कार को आगे बढ़ा दिया। जिसमें रगड़ते हुए सड़क पर गिर गई। इस दौरान पैर में चोट लगी। पीड़िता बाद में थाने आने के बाद पुलिस ने मामले में एफआईआर की है।

इंदौर पुलिस मुश्किल में

झूठा हलफनामा पेश करने पर ADCP दिशेष अग्रवाल और TI इंद्रमणि पटेल को सुप्रीम कोर्ट ने बनाया पक्षकार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल और चंदन नगर थाना प्रभारी इंद्रमणि पटेल को सुप्रीम कोर्ट ने झूठा हलफनामा पेश करने के आरोप में पक्षकार बनाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 25 नवंबर को दोनों अधिकारियों को खुद उपस्थित होने के आदेश दिए थे। मामले में अब 9 दिसंबर को सुनवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस के विनोद चंद्रन की युगलपीठ ने कहा कि हमने अपने पिछले आदेश दिनांक (4 नवंबर 2025) के अनुसार दायर हलफनामे का अध्ययन किया है। यह हलफनामा दिशेष अग्रवाल, एडीसीपी (प्रभारी अधिकारी) और टीआई इंद्रमणि पटेल की ओर से दायर किया गया था। यह गंभीर मुद्दे पुलिस के आचरण के मूल और मुख्य मुद्दे से संबंधित हैं। उनके जरिए धारित कार्यालय/पद के अधिकार जिसका सीधा असर पुलिस पर पड़ता है। यह जनता के विश्वास से जुड़ा है। इसलिए वर्तमान दो अधिकारियों दिशेष अग्रवाल और इंद्रमणि पटेल को भी पार्टी प्रतिवादी संख्या 3 और 4 के रूप में शामिल करने की अपेक्षा करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि चूंकि एडीसीपी का यह पक्ष है कि जिन तथ्यों को कहा गया है, वह कल ही उनके संज्ञान में लाए गए हैं। इसलिए वे इन्हें डीसीपी और पुलिस कमिश्नर को भी फॉरवर्ड करेंगे। इसे देखते हुए पुलिस आयुक्त इंदौर को भी उनके पद के आधार पक्षकार बनाया जाए। दरअसल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के गेहूं-चावल के अवैध भंडारण में आरोपी बनाए गए अनवर हुसैन की जमानत का विरोध करते हुए पुलिस ने अन्य जिले में दर्ज केस को भी हुसैन के साथ जोड़कर शपथनामा पेश कर दिया। इसे अनवर हुसैन ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने 4 नवंबर को सुनवाई की थी। आरोपी अनवर हुसैन पिता इशाक हुसैन के जमानत केस में हलफनामे में बताए गए आठ में से चार मामलों में अनवर हुसैन आरोपी ही नहीं है। जबकि पुलिस ने उस पर यह फर्जी केस बताए। एक मामले में तो अनवर हुसैन को रेप का आरोपी बताया था। जब सुप्रीम कोर्ट ने पूछा तो बताया गया कि यह गलती कंप्यूटर से हुई। दरअसल, आरोपी और उसके पिता का नाम दूसरे आरोपी और उसके पिता से मिलते-जुलते थे।

खजराना गणेश मंदिर में भगवान शुभ-लाभ स्थापना महोत्सव 30 नवम्बर को

इंदौर। विश्वप्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में भगवान शुभ-लाभ की 19वीं स्थापना वर्षगांठ 30 नवम्बर को धूमधाम से मनाई जाएगी। इसके एक दिन पूर्व 29 नवम्बर को पारंपरिक उबटन, श्रृंगार और विशेष आरती का आयोजन होगा। संस्था शुभ लाभ गणेश्वरी परिवार द्वारा भगवान गणेश परिवार को भव्य विशेष पोशाक भी समर्पित की जाएगी।

कटाक्ष

©www.detectivegroupreport.com

इंडस्ट्रियल एरिया में बड़े विकास की तैयारी

महापौर ने की समीक्षा बैठक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर के औद्योगिक क्षेत्रों के समग्र विकास और बुनियादी अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए नगर निगम लगातार कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार यादव ने जोन 22 के वार्ड क्रमांक 35 में स्थित इंडस्ट्री एरिया, अग्रवाल कंपाउंड में मीटिंग की। मीटिंग में जनसहयोग से प्रस्तावित विकास कामों की समीक्षा और चर्चा हुई।

महापौर बोले- इंडस्ट्रियल एरिया का सुदृढ़ विकास शहर की आर्थिक प्रगति को गति देता है। सड़क बनाना, सीवरेज लाइन, स्टॉर्म वाटर लाइन और अन्य आधारभूत सुविधाओं को दुरुस्त करना बहुत जरूरी है। उन्होंने संगठन पदाधिकारियों से जनसहयोग के माध्यम से कामों में तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सुझाव भी मांगे और निगम द्वारा हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। महापौर ने अग्रवाल कंपाउंड और आसपास के व्यवसायिक इलाकों के संपूर्ण विकास के संबंध में पदाधिकारी से चर्चा करते हुए लैंड यूज चेंज करने के संबंध में शासन को पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव के लिए स्मरण पत्र भेजने के लिए कहा। साथ ही जन सहयोग से सड़क बनाने के पूर्व क्षेत्र में स्टॉर्म वाटर लाइन, इंटरनेट लाइन डालने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा है। महापौर ने लसूडिया मोरी इलाके के पास स्थित इंडस्ट्रियल एरिया के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए इंडस्ट्री द्वारा सीएसआर के माध्यम से क्षेत्र के बगीचों, तालाब और अन्य विकास कामों में सहयोग देने पर बात की। इस पर पदाधिकारियों ने सहमति दी है। बैठक में क्षेत्रीय पार्षद राकेश सोलंकी, अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया सहित संगठन के विकास पांडे, शरद जैन, डॉ.संदीप विजयवर्गीय, मुक्ता जैन पांडे, योगेश श्रीवास्तव व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सराफा बाजार में चला निगम का डंडा, अब सिर्फ 69 दुकानें लगेंगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर के विश्व प्रसिद्ध सराफा बाजार की रात्रिकालीन चौपाटी को लेकर प्रशासन और व्यापारी संगठनों के बीच सहमति बन गई है। अब यहां सिर्फ 69 दुकानें ही लगाई जा सकेंगी। यह निर्णय गुरुवार को सराफा एसोसिएशन, चौपाटी एसोसिएशन और नगर निगम के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में लिया गया।

गुरुवार शाम से ही नगर निगम का बड़ा अमला सराफा बाजार में तैनात कर दिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि स्वीकृत सूची के अलावा अगर कोई भी दुकानदार अपनी दुकान लगाता है, तो उसे तुरंत हटा दिया जाएगा। गौरतलब है कि पहले 80 दुकानों को अनुमति देने की चर्चा थी, लेकिन सहमति न बनने पर नई सूची तैयार की गई। इस अंतिम सूची पर सराफा चौपाटी एसोसिएशन के अध्यक्ष राम गुप्ता और सराफा व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष हुकुमचंद सोनी ने हस्ताक्षर किए हैं। प्रशासन ने सराफा की मूल पहचान को बचाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पहले ही निर्देश दिए थे कि चौपाटी का पारंपरिक स्वरूप बना रहना चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए अब सराफा चौपाटी में मोमोज, नूडल्स और अन्य चाइनीज आइटम बेचने वालों को अनुमति नहीं दी गई है। अब यहां आने वाले पर्यटकों को केवल इंदौर के पारंपरिक व्यंजन और मिठाइयां ही मिलेंगी, जिसके लिए यह बाजार जाना जाता है।

आटा चक्की में फंसी साड़ी, महिला की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। छत्रीपुरा में रहने वाली 70 वर्षीय महिला की बुधवार रात उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जाता है कि 21 नवंबर को काम के दौरान उनकी साड़ी आटा चक्की में फंस गई थी। इसके बाद से एमवाय अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था, जहां बुधवार रात उन्होंने दम तोड़ दिया।

छत्रीपुरा पुलिस के अनुसार चंद्रकांता, पति राधेश्याम भाटी निवासी महूनाका, की एमवाय अस्पताल में भर्ती थी। परिवार ने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले वे आटा चक्की में गेहूं पीस रही थीं, तभी उनकी साड़ी मशीन में फंस गई। साड़ी गले में फंदा बनने से वे गिर पड़ीं।

परिजन उन्हें नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उन्हें एमवाय रेफर किया गया। बुधवार रात उनकी मौत हो गई। परिवार के मुताबिक, चंद्रकांता का आटा चक्की का पुश्तैनी व्यवसाय था। उनके पति भी यही काम करते हैं। परिवार में एक बेटा है। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

शुरू होगा गांधी प्रतिमा के आसपास का काम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। गांधी प्रतिमा का काम शुरू होने वाला है। गुरुवार को जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर यहां पहुंचे। कंसल्टेंट और ठेकेदार भी पहुंचे। उन्होंने ठेकेदार को बताया कि किस प्रकार यहां काम करना है और सबसे पहले काम की शुरुआत कहां से करना है। गांधी प्रतिमा के आसपास के अलावा शास्त्री ब्रिज के फुटपाथ का काम भी किया जाएगा।

दरअसल, इंदौर के रीगल चौराहे पर लगी गांधी प्रतिमा के आसपास बड़ी संख्या में चूहे हो गए हैं और चूहों द्वारा सैकड़ों बिल भी खोद दिए हैं। यहां की मिट्टी खोखली होती जा रही है। यहां पर एक हाई मास्ट भी लगा है और तिरंगे झंडे के लिए एक पोल लगा है। ऐसे में कोई बड़ी दुर्घटना यहां न हो जाए इसलिए यहां का काम जल्द शुरू होने जा रहा है। जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि कुछ दिनों पहले ही महापौर के साथ यहां का दौरा किया गया था। गांधी प्रतिमा के आसपास बड़ी संख्या में चूहे हैं। शास्त्री ब्रिज पर जो गड्ढा हुआ वह भी चूहों के कारण ही हुआ था। हमने कंसल्टेंट और ठेकेदार को भी यहां बुलाया है। संभवतः कल से यहां का काम शुरू कर दिया जाएगा। हाई मास्ट और तिरंगे झंडे के लिए लगे स्तंभ के आसपास सबसे पहले फाउंडेशन कर क्रांक्रीट भरा जाएगा, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। चूहों का आलम यह है कि वे गांधी प्रतिमा से सामने वाली बिल्डिंग तक और शास्त्री ब्रिज तक पहुंच रहे हैं।

पत्नी से विवाद में लगाई फांसी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। खजराना क्षेत्र में बुधवार रात एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जान देने से पहले उसका पत्नी से विवाद हुआ था। विवाद के बाद उसने पत्नी और दोनों बच्चों को घर से बाहर निकाल दिया और अंदर जाकर फंदा लगा लिया। खजराना टीआई मनोज सेंधव के अनुसार मृतक फिरोज (50) पुत्र निजाम कुरैशी है। रात में परिजन उसे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिरोज पेशे से पुताई का काम करता था। उसके एक बेटा और एक बेटी है। रात में किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद फिरोज ने पत्नी और बच्चों को बाहर कर दिया और कमरे में फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब पत्नी घर में गई, तो उसने फिरोज को फंदे पर लटका देखा। आसपास के लोगों की मदद से उसे नीचे उतारा गया। पुलिस के अनुसार, अभी परिवार के बयान दर्ज नहीं हो पाए हैं।

डिजिटल अरेस्ट केस, पंजाब-गुजरात के दो आरोपी गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बिचौली मर्दाना में रहने वाली वंदना गुप्ता के साथ हुए डिजिटल अरेस्ट मामले में क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने पंजाब और गुजरात के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने लाओस में मौजूद चीनी गैंग को करीब 350 फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराए थे। इन सिम में से 120 सिम डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी को अंजाम देने में उपयोग हुईं। इन्हीं में से एक सिम से वंदना को कॉल कर उनसे ठगी की गई थी।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी के अनुसार, डेढ़ करोड़ रुपए की धोखाधड़ी वाले इस डिजिटल अरेस्ट केस में पकड़े गए आरोपियों की पहचान सौरभ सिंह उर्फ लूसी (वापी, गुजरात) और पतरस उर्फ कैलाश (पंजाब) के रूप में हुई है। दोनों पर आरोप है कि वे लंबे समय से चीनी गिरोह को बड़ी संख्या में फर्जी सिम उपलब्ध करा रहे थे। पूछताछ में सौरभ और पतरस ने खुलासा किया कि वे लाओस जाकर करीब डेढ़ माह तक चीनी गैंग के साथ रहे। इस दौरान उन्हें डिजिटल अरेस्ट से जुड़े तरीकों, कॉलिंग पैटर्न और पैसों की वसूली के तरीके सिखाए गए। इसी दौरान गैंग के सदस्य सौरभ को नया नाम 'लूसी' देकर बुलाते थे। ट्रेनिंग में शामिल कई अन्य लोगों के नाम भी बदले गए थे। दोनों आरोपी फेसबुक और टेलीग्राम पर लोगों से नौकरी का लालच देकर संपर्क करते थे। वे इच्छुक लोगों से उनके दस्तावेज लेते, उनसे बैंक अकाउंट खुलवाते और नए सिम कार्ड बनवाते। बाद में ये सिम और अकाउंट्स चीनी गैंग के हवाले कर दिए जाते थे, जिनका उपयोग डिजिटल अरेस्ट जैसी वारदातों में होता था। क्राइम ब्रांच यह भी जांच कर रही है कि आरोपी किस स्रोत से चीनी गिरोह के संपर्क में आए, किसने उनके पासपोर्ट-वीजा की व्यवस्था करवाई और वे लाओस कैसे पहुंचे। वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हो गए थे। मुखबिर की जानकारी के आधार पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच अब आरोपियों से नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

मेडिकल कॉलेज स्कैम-इंदौर समेत 15 ठिकानों पर ईडी की रेड

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर में एक निजी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल पर ईडी ने गुरुवार सुबह से छापेमार कार्रवाई की है। टीम ने मेडिकल कॉलेज के अकाउंट सेक्शन को सील कर दिया है। ईडी ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के साथ देशभर के 15 ठिकानों पर ED ने छापा मारा है।

5 महीने पहले CBI ने की थी देशभर में छापेमारी

CBI ने 5 महीने पहले कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और मध्य प्रदेश में 40 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए। CBI के अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी निरीक्षण प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए विभिन्न रणनीतियों का इस्तेमाल कर रहे थे।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने मेडिकल कॉलेज की मान्यता रिपोर्ट को अनुकूल बनाने के लिए रिश्वत लेने के आरोप में 3 डॉक्टरों समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस स्कैम में छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च का नाम भी जुड़ा है। CBI की जांच के अनुसार नवा रायपुर स्थित श्री रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज (SRIMSR) के पक्ष में रिपोर्ट बनाने मामले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) की टीम ने हवाला के जरिए 55 लाख रुपए की रिश्वत ली है। गिरफ्तार आरोपियों में डॉ. मंजप्पा सीएन, डॉ. चैत्रा एमएस, डॉ. अशोक शेलके, अतुल कुमार तिवारी, सथीशा ए और रविचंद्र के. शामिल हैं।

सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियों में बड़ा बदलाव

नए अवकाश नियम 2025 जारी

● महिलाओं की चाइल्ड केयर लीव में कटौती

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश सरकार ने कर्मचारियों की अवकाश व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए मध्य प्रदेश सिविल सेवा अवकाश नियम 2025 का गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नए नियम 1 जनवरी 2026 से प्रभावी होंगे, जिसके साथ ही 1978 के अवकाश नियम समाप्त हो जाएंगे। इन संशोधित नियमों का सीधा असर प्रदेश के सात लाख से अधिक कर्मचारियों पर पड़ेगा। सबसे बड़ा परिवर्तन महिला कर्मचारियों की चाइल्ड केयर लीव में किया गया है।

अब तक महिलाओं को दो वर्ष यानी 730 दिन का संतान पालन अवकाश पूर्ण वेतन के साथ मिलता था, लेकिन नए नियमों के अनुसार पहले 365 दिन ही 100% वेतन मिलेगा। इसके बाद अगले 365 दिनों के लिए केवल 80% वेतन अनुमत होगा। यह नियम अवकाश को एक बार में या टुकड़ों में लेने, दोनों ही स्थितियों में लागू होगा। इसके अलावा एक बदलाव यह है भी है कि सरोगेसी से जन्मे बच्चे की देखभाल करने वाली महिला कर्मचारी को भी अब इस अवकाश का लाभ मिलेगा। नियमों में दत्तक संतान ग्रहण अवकाश भी शामिल किया गया है, जिसके तहत कर्मचारी बच्चे की उम्र एक साल होने तक अवकाश ले सकेंगे। नए प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी को हर वर्ष 30 दिन अर्जित अवकाश मिलेगा और इसे दो किस्तों में दिया जाएगा। किसी भी कर्मचारी

को लगातार पांच वर्ष से अधिक की छुट्टी स्वीकृत नहीं की जाएगी। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवकाश मांगना अधिकारी का अधिकार नहीं माना जाएगा, बल्कि अंतिम निर्णय स्वीकृत करने वाले अधिकारी का होगा।

अद्धवेतन अवकाश बगैर मेडिकल प्रमाण पत्र के- चिकित्सा अवकाश के मामले में भी नियम कड़े किए गए हैं। मेडिकल सर्टिफिकेट अवकाश मंजूरी की गारंटी नहीं होगा, यह पूर्णतः स्वीकृति प्राधिकारी के विवेक पर निर्भर करेगा। पूरे सेवाकाल में 180 दिन तक का अर्द्धवेतन अवकाश बगैर मेडिकल प्रमाण पत्र के मिल सकेगा, लेकिन अगर कर्मचारी इस अवधि में इस्तीफा देता है तो यह अवधि अर्द्धवेतन अवकाश मानी जाएगी और अंतर की राशि वसूली जाएगी। स्टडी लीव के लिए भी नई शर्तें तय की गई हैं। कर्मचारी को अधिकतम एक वर्ष की अध्ययन अवकाश और पूरे सेवाकाल में कुल 24 माह तक की अनुमति दी जा सकेगी, लेकिन इसमें फीस, यात्रा और अन्य खर्च कर्मचारी को स्वयं वहन करना होगा। साथ ही सेवा में वापसी सुनिश्चित करने के लिए बॉन्ड अनिवार्य किया गया है।

कुएं में मिले दो नगर परिषद कर्मचारियों के शव

सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने 4–5 लोगों द्वारा लगाए जा रहे लांछनों और मानसिक प्रताड़ना का जिक्र

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बैतूल, एजेंसी। बैतूल जिले में नगर परिषद बाजार की दो कर्मचारियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। एक महिला कर्मचारी और उसके सहकर्मी का शव गांव के एक कुएं से बरामद किया गया। घटनास्थल से मिले सुसाइड नोट में महिला ने कुछ लोगों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों और लगातार मानसिक दबाव को अपनी मौत की वजह बताया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, नगर परिषद में कार्यरत रजनी ढुंढेले (48) और उनके सहकर्मी मिथुन पंवार (29) मंगलवार शाम घर से निकले थे, जिसके बाद दोनों लापता हो गए। घर न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। पुलिस ने लोकेशन आधारित सर्च शुरू की और बयावाड़ी गांव के पास खेत में दोनों की चप्पलें, मोबाइल और मोटरसाइकिल मिली। बुधवार सुबह एसडीआरएफ टीम द्वारा कुएं से दोनों के शव निकाले गए। रजनी के घर से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने 4–5 लोगों द्वारा लगाए जा रहे लांछनों और मानसिक प्रताड़ना का जिक्र किया है। इसी आधार पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। अधिकारियों के अनुसार, सुसाइड नोट में लिखे नामों की भूमिका की जांच के साथ दोनों की कॉल डिटेल भी खंगाली जाएगी। रजनी ढुंढेले के परिवार में पति पूर्व पार्षद रह चुके हैं, जबकि उनका एक बेटा और दो बेटियां हैं। बेटे की शादी जल्द ही होने वाली थी, जिससे परिवार घटना से बेहद सदमे में है। बैतूल एसडीओपी सुनील लाटा का कहना है कि सुसाइड नोट में 4–5 लोगों के नाम लिखे हैं, जिनकी जांच की जा रही है। दोनों मृतकों की कॉल डिटेल निकालकर घटनाक्रम समझने का प्रयास किया जाएगा। मिथुन के परिजन धर्मेंद्र पवार का कहना है की दो लोग घर पर आकर गाली-गलौज कर रहे थे। बाद में दोनों लापता हो गए। खोज के दौरान कुएं के पास चप्पलें और मोबाइल मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और शव बरामद हुए।

किसानों को मप्र सरकार से मिली राहत

6 जिलों के 3 लाख से अधिक खातों में 238 करोड़ रुपए डाले

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

श्योपुर, एजेंसी। प्रदेश सरकार ने किसानों को बड़ी सौगात देते हुए गुरुवार को उनके खातों में 238 करोड़ रुपए से अधिक की राहत व मुआवजा राशि भेजी है। श्योपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने सिंगल क्लिक के माध्यम से 6 जिलों के 3 लाख से अधिक किसानों के खातों में राशि ट्रांसफर की है। इसके अलावा क्षेत्र के विभिन्न जिलों में सौगातें देते हुए लोकार्पण किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव गुरुवार को श्योपुर जिले के तहसील बडौदा मुख्यालय पर पुलिस थाने के समीप ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से श्योपुर सहित 6 जिलो के किसानों को फसल क्षति मुआवजा राशि का वितरण किया गया, सिंगल क्लिक के माध्यम से 3 लाख 5 हजार 410 प्रभावित किसानों के बैंक खातों में 238 करोड 78 लाख रुपए की राशि अंतरित की गई। इसके अंतर्गत श्योपुर, हरदा, विदिशा, नर्मदापुरम, धार, खण्डवा जिलों की 23 तहसीलों के 2 हजार 148 गांव के किसानों को अतिवृष्टि, बाढ़ तथा पीला मौजेक कीट व्याधी से हुई फसल क्षति का मुआवजा दिया गया है। श्योपुर जिले के 1 लाख 3 हजार 78 धान की फसल प्रभावित किसानों को 100 करोड 83 लाख रुपए की राशि प्रदाय की गई। जानकारी के अनुसार अतिवृष्टि एवं बाढ़ के चलते श्योपुर जिले के 428 ग्रामों के 1 लाख 3 हजार 78 किसानों को धान की फसल में हुए नुकसान के लिए 100 करोड़ 83 लाख रुपए की मुआवजा राशि का वितरण किया गया। साथ ही हरदा जिले के 95 हजार 989 किसानों को सोयाबीन फसल में हुए नुकसान के लिए 71 करोड़ 52 लाख, विदिशा जिले के 51 हजार 830 किसानों को सोयाबीन, उड़द फसल में हुए नुकसान के लिए 29 करोड़ 15 लाख, नर्मदापुरम जिले के 22 हजार 779 किसानों को सोयाबीन फसल में हुए नुकसान के लिए 19 करोड़ 84 लाख, धार जिले के 19 हजार 173 किसानों को सोयाबीन एवं मक्का की फसल में हुए नुकसान के लिए 10 करोड़ 31 लाख रुपए की मुआवजा राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से भेजी गई। इसी प्रकार खण्डवा जिले के 12 हजार 961 किसानों को सोयाबीन फसल में पीला मौजेक कीट व्याधी से हुई क्षति के लिए 7 करोड़ 13 लाख रुपए की मुआवजा राशि प्रदान की गई।

आदिवासी बालक आश्रम का लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा बडौदा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत 2 करोड 75 लाख रुपए की लागत से सेसईपुरा में निर्मित आदिवासी बालक आश्रम का लोकार्पण किया गया।

धुंध में नहीं दिखा ट्रक...कार टकराई;2 की मौत, 3 गंभीर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में इंदौर-भोपाल स्टेट हाईवे पर गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। दरबार ढाबे के पास एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में एक ही परिवार के दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

हादसा सुबह लगभग 6 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम थी, जिससे यह ट्रक नजर नहीं आया। नेमा परिवार महू से भोपाल जा रहा था। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है।

हादसे में संध्या नेमा (56) और मृदंग नेमा (28) की मौके पर ही मौत हो गई। सुनील नेमा (60), संजीव नेमा (45) और मीनल नेमा (40) गंभीर घायल हैं। पुलिस की शुरुआती जांच के अनुसार, सुबह के समय कोहरा होने के कारण विजिबिलिटी काफी कम थी। कार चालक सड़क किनारे खड़े ट्रक को समय रहते देख नहीं पाया। कार की रफ्तार भी अधिक थी, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

संपादकीय

भारत को स्थायी सदस्यता दिलाएगी रूस-भारत दोस्ती?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 नवंबर, 2025 को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में सुधार अब एक विकल्प नहीं बल्कि एक आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका तिकड़ी को वैश्विक शासन के संस्थानों में बदलाव के लिए एक स्पष्ट संदेश भेजना चाहिए। वहीं, भारत का अरसे एक बड़ा दोस्त रूस स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का पुरजोर समर्थन करता रहा है। माना जा रहा है कि जब अगले महीने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नई दिल्ली आएंगे तो एक मुद्दा भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का भी होगा। सुरक्षा परिषद यूएन का प्रमुख निकाय है, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। इसमें 15 सदस्य होते हैं, जिनमें से 5 स्थायी सदस्य और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। ये अस्थायी सदस्य हर दो साल के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं। पांच स्थायी सदस्य अमेरिका, रूस, फ्रांस, ब्रिटेन और चीन हैं। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की वकालत करता रहा है और इस महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली संस्था में स्थायी सदस्यता की मांग करता रहा है। भारत को अपनी इस दावेदारी के लिए कई देशों से व्यापक समर्थन भी मिला है। भारत लगातार यह तर्क देता रहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का वर्तमान ढांचा 21वीं सदी की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने में विफल रहा है। हाल ही में उसे फ्रांस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान जैसे देशों का भी इस मामले में समर्थन मिला है। उससे पहले अमेरिका और ब्रिटेन भी भारत की स्थायी सदस्यता की वकालत कर चुके हैं। सितंबर में ही संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि सुरक्षा परिषद में वर्तमान वैश्विक परिदृश्य के मुताबिक सुधार की जरूरत है। रूस, ब्राजील के साथ मिलकर एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए भारत के स्थायी सदस्यता के आवेदन का समर्थन करता है। लेफ्टिनेंट कर्नल (रि.) जेएस सोढ़ी के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) 21वीं सदी की वास्तविकताओं के बजाय 1945 की वैश्विक शक्ति संरचना को दर्शाती है। अपनी स्थापना के बाद से परिषद की सदस्यता और वीटो प्रणाली में कभी औपचारिक सुधार नहीं किया गया है। एकमात्र उल्लेखनीय समायोजन 1965 में हुआ, जब अस्थायी सीटों की संख्या छह से बढ़ाकर दस कर दी गई।

महिला जगत

30 दिन में तीन वर्ल्ड कप

भारत की बेटियों ने 2025 में बढ़ाया देश का मान

साल 2025 भारत की बेटियों के नाम रहा। इस साल भारत ने वैश्विक खेल मंच पर अपना दमदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन का खिताब जीता और महज 30 दिन में तीन वर्ल्ड कप पर अपना कब्जा जमाया। इसी के साथ भारत की महिलाओं ने अपने आत्मविश्वा, और साहस की दमदार मिसाल पेश की। भारतीय महिलाओं ने 30 दिनों के अंदर तीन वर्ल्ड कप जीतकर न सिर्फ भारत का गौरव बढ़ाया, बल्कि पूरी दुनिया में यह संदेश भी दिया कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में किसी से कम नहीं हैं। इन तीन वर्ल्ड कप्स में शामिल हैं महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025, महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2025 और महिला कबड्डी वर्ल्ड कप 2025।

2025 के ये वर्ल्ड कप भारतीय महिलाओं की ताकत और आत्मविश्वास को दर्शाते हैं। इन तीन बड़ी जीतों ने साबित कर दिया कि भारतीय महिलाएं अब हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रही हैं और ये जीत न केवल खेल के मैदान में, बल्कि पूरे समाज में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम हैं।

इनकी सफलता न केवल भारतीय महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, बल्कि यह पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। ये जीत न सिर्फ खेल की दुनिया में, बल्कि समाज में महिलाओं के योगदान और शक्ति को सम्मानित करने का एक बड़ा कदम है। भारतीय महिलाओं ने साबित कर दिया कि अगर उन्हें मौके मिलें, तो वे किसी भी खेल में सबसे बेहतरीन बन सकती हैं। आइए जानते हैं भारतीय महिला खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बारे में।

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता। इस जीत ने महिला क्रिकेट को एक नई ऊंचाई दी और यह दिखाया कि भारतीय महिलाएं किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। इस टूर्नामेंट में भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने न

केवल अपने खेल से, बल्कि अपनी रणनीतिक सोच और टीम वर्क से सभी को हैरान कर दिया।

ब्लाइंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2025

श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित हुए पहले ब्लाइंड महिला T20 वर्ल्ड कप में भारत ने नेपाल को सात विकेट से हराकर एतिहासिक जीत दर्ज की। ये खेल इसलिए भी खास है, क्योंकि दृष्टिबाधित क्रिकेट मैच बाकी क्रिकेट से अलग होते हैं। इसमें खिलाड़ियों की श्रेणी होती है, जिसमें उन्हें शामिल किया जाता है, जिन्हें बिल्कुल दिखाई नहीं देता है। बहुत कम दिखाई देता है और जिन्हें थोड़ा अधिक दिखाई देता है। भारतीय महिला टीम ने इस टूर्नामेंट के सभी पांच मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने श्रीलंका, अमेरिका, पाकिस्तान और सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया। फाइनल में नेपाल को हराकर पहली ब्लाइंड टी 20 महिला वर्ल्ड कप जीता।

महिला कबड्डी वर्ल्ड कप 2025

महिला कबड्डी वर्ल्ड कप 2025 में भारतीय टीम ने अपने जबरदस्त खेल से वर्ल्ड कप जीता। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने लगातार दूसरा विश्व कप खिताब अपने नाम किया है। टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं हारा और सेमीफाइनल में ईरान को हराकर फाइनल में चीनी ताइपे को टक्कर दी। इस खेल में भारतीय महिलाओं का प्रदर्शन बहुत ही मजबूत था और उन्होंने यह साबित किया कि कबड्डी में भी भारतीय महिलाएं दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम हैं। यह जीत भारतीय महिलाओं की शक्ति, रणनीति और शारीरिक क्षमता का प्रतीक बनकर उभरी।

New Delhi

सेन्यार के बाद चक्रवात 'दितवाह' बरपाएगा कहर 5 राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। 'सेन्यार' का असर अभी खत्म नहीं हुआ कि एक और चक्रवाती तूफान 'दितवाह' की वजह से मौसम ने दक्षिण भारत में कहर ढाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में नए तूफान का अलर्ट जारी किया है। दोनों ही तूफानों का असर भारत में देखा जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दितवाह तूफान दक्षिण भारत के राज्यों में तबाही मचाने वाला है। इन तूफानों की वजह से पहले से ही तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश का मौसम बिगड़ा हुआ है। आईएमडी ने बताया कि गुरुवार कोही बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र चक्रवाती तूफान में तब्दील हो चुका है।

मौसम विभाग का कहना है कि तूफान दितवाह काफी तबाही मचा सकता है। ऐसे में प्री साइक्लोन अलर्ट जारी कर दिया गया है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और केरल के तटों पर इसका असर ज्यादा देखा जाएगा। ऐसे में मछुआरों को समंदर में ना उतरने की सलाह दी गई है। चक्रवाद दितवाह की वजह से दक्षिण के पांच राज्यों में मध्य से भारी बारिश होनें की संभावना है। तमिलनाडु और केरल के कई इलाकों में बारिश जारी है। तूफान के तट से टकराने से पहले ही तमिलनाडु के तटीय इलाकों में फुहारें पड़ना शुरू हो गई हैं। मौसम विबाग ने बताया है कि 30 नवंबर तक आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु का मौसम खराब ही रहेगा। इसके अलावा पुदुच्चेरी और कराईकल में कुछ जगहों पर हल्की बारिश की संभावना है।

Punjab

आरएसएस नेता के बेटे की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर, पुलिस हिरासत से भगाने आए थे 2 साथी

फिरोजपुर, (एजेंसी) पंजाब में फिरोजपुर जिले के महामुजोहिया गांव में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेता के बेटे की हत्या का प्रमुख आरोपी मारा गया। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के दो साथी उसे पुलिस हिरासत से छुड़ाने की कोशिश कर रहे थे, तभी एनकाउंटर शुरू हुआ। फिरोजपुर में 15 नवंबर को दो मोटरसाइकिल सवारों ने आरएसएस नेता बलदेव राज अरोड़ा के बेटे नवीन अरोड़ा की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में महामुजोहिया गांव की बस्ती भट्टीयां के निवासी मुख्य आरोपी बादल को बुधवार को गिरफ्तार किया गया था। फिरोजपुर रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि पूछताछ के दौरान बादल ने अपने दो साथियों राजू और सोनू के बारे में जानकारी दी। गिल के अनुसार, बादल के साथी गुरुवार तड़के करीब 5 बजे महामुजोहिया के श्मशान घाट के पास से उसे अपने साथ राजस्थान ले जाने वाले थे। बादल ने यह भी बताया था कि उसने वहीं कुछ हथियार छिपाकर रखे हैं। उन्होंने बताया कि बादल के खुलासे के आधार पर जब पुलिस टीम उसे श्मशान घाट ले जा रही थी, तभी वहां पहले से छिपे उसके दोनों साथी पुलिस पर गोलीबारी करने लगे।

Bihar

मिर्जापुर में दिल दहलाने वाला हादसा, खड़े ट्रक में घुसी कार, उड़े परखच्चे; तीन लोगों की मौत

मिर्जापुर, (एजेंसी) मिर्जापुर जिले में शुक्रवार की सुबह दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक कार हाईवे पर खड़े ट्रक में जा घुसी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार दो लोगों की मौत हो गई। जबकि ट्रक खड़ा कर सड़क पार कर रहे चालक और खलासी भी चपेट में आ गए। जिसमें चालक की मौके पर मौत हो गई। वहीं खलासी गंभीर रूप से घायल है। बताया जा रहा है कि कार प्रयागराज की है। ट्रक बाहर का है। तीन लोगों की मौत और एक के गंभीर रूप से घायल होने के कारण किसी की पहचान नहीं हो सकी है। मिर्जापुर के कछवां की पुलिस मौके पर पहुंचकर शिनाख्त कराने में जुटी है।

Rajasthan

राजस्थान में दिनदहाड़े गैंगवार, थार और स्विफ्ट सवार बदमाशों ने बाइक सवारों को रौंदने की कोशिश की

कोटपूतली, (एजेंसी) राजस्थान के कोटपूतली–बहरोड़ जिले के बानसूर में बुधवार को दिनदहाड़े फिल्मी अंदाज में गैंगवार हुई. पूरा मामला वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया और यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. फुटेज में साफ दिखा कि तीन युवक बाइक पर सड़क की ओर जा रहे थे, तभी थार और स्विफ्ट में आए बदमाशों ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मारी और युवकों पर कार चढ़ाने की कोशिश की. इसी दौरान बाइक सवार युवकों में से एक ने फायरिंग भी की, लेकिन गोली किसी को नहीं लगी. इसके तुरंत बाद स्विफ्ट कार में बैठे बदमाशों ने भी फायरिंग शुरू कर दी. हालात बिगड़ते देख बाइक सवार युवक पास के घर में घुस गए और किसी तरह अपनी जान बचाई. हमलावरों ने जाते-जाते सड़क पर पड़ी बाइक में तोड़फोड़ की और मौके से भाग निकले.

पुलिस को सूचना मिलते ही टीमें वहां पहुंचीं और पूरी रिकॉर्डिंग अपने कब्जे में ली. पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा. चौंकाने वाली बात यह है कि एक दिन पहले भी हरसौरा रोड पर दोनों गुटों के बीच हमले और फायरिंग की घटना हुई थी. लगातार हो रही वारदातों की वजह से क्षेत्र में डर का माहौल है और लोग दहशत में हैं.

खेल

'हम अच्छा नहीं खेले', द. अफ्रीका के खिलाफ शर्मनाक हार पर छलका ऋषभ पंत का दर्द, कहा- हमें माफ कर दो

गुवाहाटी। शुभमन गिल की जगह गुवाहाटी टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले ऋषभ पंत ने टीम इंडिया की शर्मनाक हार पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ी इस मुकाबले में अच्छा नहीं खेल सके। बता दें कि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट मुकाबले में भारत को 408 रन से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले मेहमानों ने भारतीय टीम को शुरुआती मुकाबले में 30 रनों से हराया था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को 0-2 से हार का सामना करना पड़ा।

पंत का छलका दर्द

भारत की करारी हार पर गुरुवार को विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दुख जताया। उन्होंने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि हमने पिछले दो हफ्तों में पर्याप्त अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और व्यक्ति के तौर पर, हम हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं और करोड़ों भारतीयों के चेहरों पर मुस्कान लाना चाहते हैं। इस बार हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, इसके लिए क्षमा चाहते हैं, लेकिन खेल आपको एक टीम के रूप में और व्यक्तिगत रूप से सीखना, अपनाना और आगे बढ़ना सिखाता है।

पंत ने आगे कहा, 'भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। हमें पता है कि यह टीम क्या करने में सक्षम है और हम कड़ी मेहनत करेंगे, दोबारा संगठित होंगे, फिर से फोकस करेंगे और रीसेट करके एक टीम और व्यक्तियों के रूप में पहले से भी बेहतर और मजबूत होकर लौटेंगे।

आपके अटूट समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद! जय हिंद।'

गंभीर की देखरेख में भारत का टेस्ट में प्रदर्शन

गंभीर की देखरेख में भारत ने अब तक छह टेस्ट सीरीज खेली हैं। बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम ने 2-0 से जीत हासिल की, लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड ने भारत को घर में ही 0-3 से क्लीन स्वीप कर दिया, जो भारतीय क्रिकेट के इतिहास में बेहद दुर्लभ घटनाओं में से एक है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि इंग्लैंड में खेली गई पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज भारत ने 2-0 से जीती, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया घरेलू मुकाबलों में 0-2 की हार ने टीम की कमियों को फिर उजागर कर दिया। यह दूसरी बार है जब गंभीर के कार्यकाल में भारत को घर में किसी टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप झेलना पड़ा है।

सिनेमा

मुकेश खन्ना ने बताया, धर्मेंद्र के घर पर बना था आईसीयू जैसा सेटअप

धर्मेंद्र के हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद मुकेश खन्ना उनसे मिलने उनके घर गए थे। अब अपने यूट्यूब चैनल पर उन्होंने इस मुलाकात के बारे में बताया है। मुकेश खन्ना बताते हैं कि उनके परिवार ने घर पर ही अस्पताल जैसा सेटअप बना रखा था। लोगों को लग रहा था कि वह रिकवर हो जाएंगे। मुकेश ने यह भी बताया कि धर्मेंद्र की सबसे अच्छी क्वॉलिटी क्या थीं। मुकेश खन्ना ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें धर्मेंद्र से आखिरी मुलाकात पर बात की है। उन्होंने बताया है कि हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद वह उनसे मिलने गए थे। मुकेश खन्ना बताते हैं, 'उनके हॉस्पिटल से वापस आने के बाद मैं पांच या छह दिन पहले उनके घर गया था। उन लोगों ने घर पर ही आईसीयू जैसी व्यवस्था कर रखी थी। मुझे पता था कि उनसे ठीक से मिल नहीं पाऊंगा लेकिन फिर भी मुझे लगा कि जाना जरूरी है।' मुकेश खन्ना आगे बताते हैं कि वह इस दौरान सनी और बॉबी से मिले और उन्हें समझाया। मुकेश बोले, 'मैंने उनसे कहा, 'वह बहुत स्ट्रॉन्ग हैं। वह जल्दी ही ठीक हो जाएंगे... वह इससे बाहर आएंगे।' पर आखिर में होता वही है जो ईश्वर को मंजूर होता है। लोग शॉक्ड थे क्योंकि उन्हें लग रहा था कि वह इतने मजबूत हैं कि रिकवर हो जाएंगे। उनके शरीर ने साथ छोड़ दिया। पर साहब संस्मरण रह जाते हैं, आत्मा चली जाती है। उनकी आत्मा बहुत अच्छी थी।'

1. **Who is Sudhir Kumar, who bought India's costliest number plate 'HR88B8888' for ₹1.17 cr?**
2. **UP to set up detention centres for illegal immigrants: Report**
3. **What are the features of Vikram-I, India's 1st commercial rocket?**
4. **Serial rapist held guilty of assaulting, killing MBA student in Chandigarh 15 yrs ago**

ITR refunds: What's causing the delay? CBDT chairman shares update

NEW DELHI, (Agency). The Central Board of Direct Taxes (CBDT) chairman on Monday shared an important update regarding the delays in income tax refunds for the financial year 2024-2025. He also informed that the tax department is undertaking an analysis of the wrongful deductions claimed in certain cases.

While the ITR filing deadline this year was September 16, taxpayers across India are still waiting for their tax refunds.

When will you get ITR refund?

Talking about the refunds being released, CBDT Chairman Ravi Agrawal said that "low-value refunds are being released," according to PTI news agency. He further said that the remaining refunds will be released by this month or by December.

He said that the department found some wrong refunds or deductions that were being claimed, and the process to verify that is ongoing, Agrawal told reporters after he

inaugurated a taxpayers' lounge at the ongoing India International Trade Fair (IITF).

What is causing the delay in refunds

Agrawal said that an analysis is being conducted of the wrongful deductions claimed by taxpayers, which is leading to a delay in the issuance of refunds.

He said that some of the refund claims were identified as "high-value" or were "red-flagged" by the system due to claims of certain deductions.

"We have also written to the taxpayers to file a revised return in case they have forgotten something," he was quoted as saying.

The chairman also stated that a negative growth is being observed in the refund, possibly because refund claims have also gone down, even as TDS (Tax Deducted at Source) rates were rationalised.

As per the PTI report, refund issuances dropped about 18 per cent to over ₹2.42 lakh crore between April 1 and November 10.

Agrawal also said the department and the Board were working to reduce litigation vis-à-vis direct tax cases. He said that the appellate authorities are working overtime to ensure that the "pendency is liquidated".

SBI Ventures plans ₹2,000 crore climate-focused fund in Q4 FY26

NEW DELHI, (Agency). SBI Ventures, an alternative asset manager promoted by State Bank of India, intends to raise ₹2,000 crore for its third climate-focused fund to invest in startups.

It will help unlock green growth, a new financial opportunity, SBI Ventures CEO Prem Prabhakar said while speaking at the second edition of the IVCA Green Returns Summit in Delhi. Domestic and global investors will be roped in for the fund, and the roadshow will start early next year, he said. "We are targeting to launch a ₹2,000 crore fund in the first quarter of the next calendar year." The SBI Ventures climate-

focused fund would invest in early and growth-stage climate startups—particularly, in frontier climate technologies and AI-enabled climate innovations.

Prabhakar said India is evolving into a lab and launchpad for global climate innovation, especially in areas such as cooling technologies, low-carbon materials, nature-based solutions, waste, and circularity.

Prabhakar pointed to the estimated requirement of $170 billion annually to meet India's climate goals, three times the current flow of funds.

The largest financing deficits, he said, are in adaptation and resilience sectors like water security, climate-smart agriculture, and disaster-proof infrastructure. He called for a multi-layered climate financing model that blends equity, concessional capital, philanthropic risk-taking, and innovative structures, such as climate resilience bonds and carbon markets.

सरकारी जमीन को निजी लोगों के नाम कराने का आरोप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। सरकारी भूमि निजी लोगों को बांटने को लेकर गुरुवार को कलेक्टर ऑफिस में प्रदर्शन हुआ। अखिल भारतीय बलाई महासंघ के बैनर तले कई लोग कलेक्टर ऑफिस पहुंचे। उन्होंने नारेबाजी की और सरकारी जमीन को नियम विरुद्ध निजी लोगों के नाम कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर ज्ञापन दिया।

अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार ने बताया कि देपालपुर तहसील के ग्राम रुणावदा में 34 बीघा चरनोई की जमीन है। इस जमीन को करामत खान, अब्दुल खान, नौशाद खान, आजम खान, मुख्तियार खान, जुबेदा बी, बाबू खान, रज्जाक खान, हिदायत खान ने अतिक्रमण कर अपने नाम करा लिया और इस जमीन को दो बार बेच भी दिया। एक बार जमीन 12 करोड़ में और दूसरी बार 18 करोड़ में बेची गई। उन्होंने आरोप लगाया कि ये रुपए जकात में जाएंगे, वहां से मदरसे में और वहां से फंडिंग होगी, जिससे राष्ट्र का नुकसान होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस जमीन का नामांतरण दो बार खारिज कर दिया गया है। एक ही क्रमांक के दो आदेश भी जारी किए गए हैं। एक आदेश में कहा गया है कि ये शासकीय चरनोई की भूमि है। जबकि दूसरे आदेश में इसे निजी भूमि बताया गया है। इस मामले में पहली बार शिकायत की गई है। मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मनोज परमार ने यह भी कहा कि कुछ माह पहले दलित किसान ने सरकारी भूमि पर कब्जे को लेकर सुसाइड किया था, लेकिन अभी तक इस मामले में किसी को भी आरोपी नहीं बनाया गया, जबकि उसने जनसुनवाई में आकर एसिड पी लिया था। इस मामले में संयुक्त कलेक्टर रोशनी वर्धमान ने कहा कि बलाई महासंघ के अध्यक्ष ने ज्ञापन दिया है, जिसमें बताया है कि देपालपुर के गांव में सरकारी जमीन का नामांतरण तहसीलदार ने किया है।

दुकानदार को जबरदस्ती और दबावपूर्वक नहीं हटा सकते

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हाईकोर्ट इंदौर ने शिवाजी मार्केट की दुकानों को लेकर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि दुकानदार को जबरदस्ती और दबावपूर्वक नहीं हटा सकते।

दरअसल, फरवरी माह में नगर निगम ने शिवाजी मार्केट के दुकानदारों को दुकानें खाली कर सब्जी मंडी के पास स्थित नए कॉम्प्लेक्स में विस्थापित करने हेतु प्रक्रिया के तहत दुकानें खाली करने और लॉटरी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए कहा था। इससे असंतुष्ट सभी दुकानदारों ने एडवोकेट मनीष यादव और विवेक व्यास के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। तब कोर्ट ने सुनवाई करते हुए लॉटरी प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी थी। कोर्ट में अंतिम सुनवाई में याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट यादव ने तर्क रखते हुए कहा कि 120 दुकानदार वहां पिछले 40 साल से व्यापार कर रहे हैं। सरकार रिवर फ्रंट योजना के चलते एक अवैध बिना नक्शे वाली बिल्डिंग, जिसमें व्यापार की कोई संभावना नहीं है, में दुकानदारों को जबरन शिफ्ट करना चाहती है। यह कार्रवाई लोक परिसर बेदखली अधिनियम के भी खिलाफ है। यादव के मुताबिक इन तर्कों से सहमत होकर जस्टिस प्रणय वर्मा की सिंगल बेंच ने दुकानदारों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए निगम को आदेशित किया कि निगम उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना दबाव पूर्वक दुकानदारों से दुकानें खाली नहीं करवा सकती। यदि विस्थापन भी करना है तो दोनों पक्षों की मर्जी से एक अनुबंध के तहत किया जाए।

चाइनीज मांझे पर लगा प्रतिबंध

उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मकर संक्रांति के पर्व को देखते हुए इंदौर कलेक्टर ने चाइनीज मांझे के इस्तेमाल, बेचने और भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया है। अगर कोई व्यक्ति नियम का उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि चाइनीज मांझा के उपयोग से दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। मांझे से चोंट लगने और कटने के कई मामले भी सामने आ चुके हैं। साथ ही ये पशु-पक्षियों के लिए भी खतरा होता है, ये चिंताजनक बात है। इसलिए इसे प्रतिबंधित किया गया है। इसका उपयोग, इसे बेचना और इसका भंडारण करना प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसका उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पिछले सालों में चाइनीज मांझे से कई लोग घायल हो चुके हैं। जिला प्रशासन उन स्थानों पर विशेष नजर रखेगा, जहां चाइनीज मांझे को बेचा जाता है।

Confidential Investigation & all type of Detective services
Successful Journey
Since 2002...
आँख मूंदकर न तय करें रिश्ता...
सतर्कता एवं सजगता अत्यावश्यक है।
सभी प्रकार की व्यक्तिगत, पारिवारिक, आर्थिक, सामाजिक, व्यापारिक, कानूनी, सभी प्रकार के इन्वेस्टीगेशन कार्य...
सबूत/प्रमाण हेतु... मदद के लिये तैयार... कभी भी.... कहीं भी...
कब..क्यों..कहाँ..कितना..कैसे...!
DETECTIVE GROUP®
पूर्ण गोपनीयता...पूर्ण विश्वसनीयता
www.detectivegroup.in
9111050101
9111050101
7312433667

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक